वार्तालाप-161, तिरूपति (आंध्र प्रदेश) वार्तालाप, ता-19.8.2006

Disc.CD-161, dated 19.8.2006 at Tirupati (A.P.)
Extracts-Part-1

समय- 03.36-04.42

बाबा – कुछ पूछना करना है?

(एक माताजी ने इशारा किया कि उनको हिंदी बोलना नहीं आता।)

बाबा- हिंदी सीखो हिंदी नहीं तो आखरी पेपर में फेल हो जायेंगे। अभी तक माया पेपर ले रही थी, क्या? अभी तक माया पेपर ले रही थी, माया के पाँच सिर काम, क्रो□, लोभ, मोह, अहंकार और पाँच और सहयोगी सिर है पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश प्रकृति के पाँच मुख। अभी प्रकृति माता भी झाड़ू लेके खड़ी हुई है, वो भी परीक्षा लेगी। अभी परीक्षा लेने वाले दो-दो हो गये, इसलिए भाषा अगर नहीं आती होगी तो बाबा की वाणियों को गहराई तक नहीं समझ पायेंगे।

Time: 03.36-04.42

Baba: Do you have any questions?
(A mother hinted that they cannot speak Hindi.)
Baba: Learn Hindi otherwise you will *fail* in the last *paper* (examination). So far Maya was taking the examination, what? Till now Maya was taking the examination. The five heads of Maya [are] lust, anger, greed, attachment, ego and there are five more heads helping her, [they are] earth, water, wind, fire, sky. They are the five heads of nature. Now the Mother Nature is also standing with a broom. She will also take the examination. Now there are two examiners to take examination. Therefore, if you do not know the language, you will not be able to understand Baba's vani deeply.

समय- 04.45-10.54

जिज्ञासु - सबसे बड़ा शैतान कौन?

बाबा – अब सोचो, बताओ, पाँचसौ, सातसौ करोड़ मनुष्यात्मायें हैं उनमें भगवान कौन और शैतान कौन? भगवान का रूप कौन और शैतान का रूप कौन?

जिज्ञासु – नहीं बाबा।

बाबा – न भगवान का पता न शैतान का पता।

Time: 04.45-10.54

Student: Who is the biggest devil (*shaitaan*)?
Baba: Well, think and reply. There are 5-7 billion human souls, who is God and who is devil among them? Who is God's form and who is devil's form?
Student: No, Baba.
Baba: You know neither about God nor about devil.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- भगवान का पता।

बाबा – भगवान का पता तो तब चले जबकि परीक्षा हो। फाईनल परीक्षा हो उसमें पास होके दिखाये तभी तो पता चले। अभी तो सब कह रहे हैं हमने पहचान लिया, हमने जान लिया-2, हमने कोर्ट में निश्चय पत्र लिख करके दे दिया कि ये भगवान हैं। लेकिन जो कोर्ट में निश्चय पत्र लिख के दे दिया उसकी फाईनल परीक्षा हो गई? हो गई?

जिज्ञासु- नहीं।

बाबा – अभी परीक्षा तो हुई नहीं। फाईनल परीक्षा में पास हो जाये तब कहा जाये कि भगवान को भी पहचान लिया और शैतान को भी पहचान लिया। अच्छा, रचयिता और रचना को पहचान लिया? रचयिता कौन है और रचना कौन है उसको पहचान लिया?

जिज्ञासु- शिवबाबा।

बाबा – शिवबाबा रचयिता-2 और रचना कौन?

जिज्ञासु – ब्रहमा बाबा।

बाबा- ब्रहमा बाबा रचना। अच्छा, इनमें मनुष्य कौन है और भगवान कौन है?

जिज्ञासु- भगवान शिवबाबा।

Student: We know about God.
Baba: Your knowledge about God will be known when you undergo the examination. When you *pass* in the *final* examination, only then we will know [that you have recognized God]. Now everyone is saying, "I have recognized, I have know, I have know [God]. I have written the letter of faith in the *court* that this one is God". But has the final examination of [the thing written in] the letter of faith taken place? Is it [examination] over?
Student: No.
Baba: The examination has not yet taken place. If you *pass* in the *final* examination, it will be said that you have recognized God as well as the devil. *Acchaa*, did you recognize the Creator and the creation? Did you recognize who is the Creator and who is the creation?
Student: Shivbaba.
Baba: Shivbaba is the Creator and who is the creation?
Student: Brahma Baba.
Baba: Brahma Baba is the creation. *Acchaa*, who is a human being and who is God between them?
Student: Shivbaba is God.

बाबा – भगवान शिवबाबा और मनुष्य कौन है?

जिज्ञासु – ब्रहमा बाबा।

बाबा – ब्रहमा बाबा। अच्छा, तो मनुष्य माना नर।

जिज्ञासु – हाँ।

बाबा - तो नर क्या बनाता हैं?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- नर्क।

बाबा- नर्क। ये कैसेट कुमारका दादी के सामने जायेगी। कुमारका दादी अभी जिंदा होके आ गई हॉस्पिटल से। इन सबके चेहरे आज खींच लिये। सोच-समझ के बताना। नर क्या बनाता हैं और भगवान क्या बनाता हैं?

जिज्ञासु- भगवान स्वर्ग बनाता है।

बाबा – भगवान स्वर्ग बनाता है और नर?

जिज्ञासु- नर्क बनाता है।

बाबा – नर्क बनाने वाले को क्या कहा जाता हैं?

जिज्ञासु – शैतान।

बाबा – शैतान माना रावण और स्वर्ग बनाने वाले को कहा जाता है राम अथवा भगवान। तो बड़े ते बड़ा शैतान कौन हुआ फिर? बड़े ते बड़ा शैतान कौन हुआ?

जिज्ञासु – ब्रह्मा बाबा।

बाबा – देखो-3 कौन-2 बोल रहे हैं। अरे, बोलते काहे नहीं।

Baba: Shivbaba is God and who is a human being?
Student: Brahma Baba.
Baba: Brahma Baba. *Acchaa*, a human being means *nar* (man). So, what does *nar* make?
Student: *Narak* (hell).
Baba: *Narak*. ☺This *cassette* will go to *Dadi* Kumarika . *Dadi* Kumarika has now come back alive from the *hospital*. Today everybody's face has been captured (by the camera). Think well and reply. What does *nar* make and what does God make?
Student: God makes heaven.
Baba: God makes heaven and what about *nar*?
Student: He makes hell.
Baba: What is the one who creates hell called?
Student: Devil (*shaitaan*).
Baba: Devil means Ravan and the creator of heaven is called Ram or God. So, who is the biggest devil? Who is the biggest devil?
Student: Brahma Baba.
Baba: (To the camera man :) Look, who all are speaking. ☺ *Arey*, why don't you speak?

जिज्ञासु- हिंदी बोलते नहीं।

बाबा– अरे, कुछ हैं ऐसे जो हिंदी जानते है । अच्छा, आनंद भाई क्लीयर करो इन लोंगो ने समझा नहीं क्या बात हो रही है। (किसीने कुछ कहा।) वो तो ठीक है दुनियाँ को छोड़ना है ना इसलिए सन्यासी बनना है। बताओ इनको बात क्या चल रही है। क्या पूछ रहे बाबा, मुरली में पूछ रहे हैं। (भाई ने समझाया।) समझ गये ये लोग? आया, बात समझ में आया? (किसीने कुछ कहा।) नहीं आया? अरे, बड़े से बड़ा शैतान कौन और ऊँच ते ऊँच भगवान कौन? (जिज्ञासु – शिवबाबा।) चलो ठीक है, ऊँच ते ऊँच भगवान शिवबाबा। अच्छा, फिर ऊँच ते

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ऊँच शैतान कौन? (जिज्ञासु – रावण।) रावण के तो दस सिर हैं उनमें कौनसा सिर है? (जिज्ञासु- इब्राहीम।) इब्राहीम? उसके ऊपर कोई सिर नहीं हैं? उन पाँच या दस सिरों के ऊपर कोई सिर नहीं हैं? (जिज्ञासु- है।) कौन है?

जिज्ञास- देहअभिमान ग□ा।

बाबा- देहअभिमान। उसको कौनसे रूप में दिखाया? आज बाबा ने गाली दी है। आज मुरली में गाली दी है, कौनसी गाली दी? ग□ा, उल्लू, पाजी। तो वो ग□ा कौन है? पहला-2 ग□ा कौन हुआ? अरे, वो ग□ा कौन जिसके ऊपर कपड़े ड़ाले जाते है घाट पे ले जाने के लिए? (किसीने कहा – □ोबी।) □ोबी...

जिज्ञासु– □ोबी कपड़े ड़ालता है।

बाबा- हाँ, वो ग□े को ले जाता हैं घाट पे, ग□े के ऊपर कपड़े डाल के फिर वहाँ जाके □ोता है।

Student: They don't speak Hindi.
Baba: *Arey*, there are some people who know Hindi. *Acchaa*, brother Anand make it *clear* to them. They didn't understand the topic we are speaking about. (Someone said something.) That is all right; we have to leave the world, don't we? So we have to become a *sanyaasi*. (To the brother :) tell them about the topic being discussed; what is Baba asking. He is asking in murli. (Brother said something.) Did these people understand? Did they understand the topic? (Someone said something.) Did you not [understand]? *Arey*, who is the biggest devil and who is the highest God? (Student: Shivbaba.) Alright, it is correct, the highest God is Shivbaba. *Acchaa*; then, who is the biggest devil? (Student: Ravan.) Ravan has ten heads; which head among them is the devil? (Student: Abraham.) Abraham? Is there no head above him? Is there no head above those five or ten heads? (Student: There is.) Who is that?
Student: Body consciousness, donkey.
Baba: Body consciousness. In which form has it been shown? Today Baba used an abuse; He used an abuse in the murli. Which abuse did He use? Donkey, owl, fool☺. So, who is that donkey? Who is the first donkey? *Arey*, who is that donkey on whom the clothes are loaded to be taken to the laundry? (Student: washer man.) Washer man (*dhobi*)...
Student: The washer man loads the clothes.
Baba: Yes, he takes the donkey to the laundry by loading the clothes on it, and then he goes there to wash them. ... (to be continued.)

Extracts-Part-2

समय- 11.20-16.15

जिज्ञासु- दक्षिण भारत में बाबा हिंदी समझते नहीं।

बाबा - दक्षिण भारत वाले हिंदी नहीं समझते हैं? जो भगवान के बच्चे होते हैं, जो बच्चे होते हैं वो अपने बाप की भाषा नहीं समझते?

जिज्ञासु – थोड़ा-थोड़ा।

बाबा – अच्छा, जो बच्चे होते हैं, घर-परिवार में जो भी बच्चे होते हैं अपने माँ-बाप की भाषा जानते हैं कि नहीं जानते हैं?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- जानते हैं। वो तो घर में पैदा होके उनको भाषा आ जाती है बचपन से।

बाबा – वो लौकिक बच्चे हैं?

जिज्ञासु – हाँ, बाहर की भाषा अभी नहीं सीखे। अभी असल बाप की भाषा नहीं आयी।

बाबा – माना अलौकिक बच्चे नहीं बने?

जिज्ञासु- अलौकिक बच्चों ने थोड़ा-2 समझा।

Time: 11.20-16.15
Student: Baba, people don't understand Hindi in South India.
Baba: Don't the people of South Indian understand Hindi? The children of God... don't the children understand the language of their father?
Student: [We understand] little.
Baba: *Acchaa*, those who are children, do the children in a family know the language of their parents or not?
Student: They know; they are born in that family [of those who don't know Hindi]; so they learnt that language from their childhood.
Baba: Are they the *lokik* children?
Student: Yes, they haven't yet learnt the outside language (language other than their mother tongue). They have not learnt the language of the true father yet.
Baba: It means that they haven't become the *alokik* children?
Student: The *alokik* children have understood [the language] to some extent.

बाबा – अच्छा, ठीक है। बच्चे तो हैं, लेकिन छोटे बच्चे हैं या बड़े बच्चे हैं?

जिज्ञासु- बड़े बच्चे हैं।

बाबा – बडे बच्चे हैं? बड़ा बच्चा... घर-परिवार में कोई बच्चा हो और बड़ा हो जाये और माँ-बाप की भाषा न समझे और न बोल सके; बच्चा बड़ा हो जाये और माँ-बाप की भाषा समझे भी नहीं और बोल भी नहीं सके।

जिज्ञासु- माँ-बाप का भाषा आ जाती है फिर बाहर दुनिया में कैसे बात करते हैं वो आ जाता है। घर की भाषा, बाहर की भाषा।...

दूसरा जिज्ञासु- बाहर दुनिया में ये ही बात करते ना, तेलुगु। वो ही आ जाता है। हिंदी नहीं बात करते ना।

जिज्ञासु- राजस्थान में हिंदी बात करेगा, हिंदी आएगा। आंध्रा में तेलगु बात करते है, तामिलनाडु में तामिल बात करेंगे, कर्नाटक में कन्नड। जिस भाषा में बात करेंगे वो ही आएगा। जो थोड़ा पढ़े-लिखे भी है ना, उनको थोड़ा हिंदी आ जाएगा।

बाबा – अच्छा, ये बताओ जो माँ-बाप की भाषा नहीं बोल पाते वो छोटे बच्चे होते हैं या बड़े बच्चे होते हैं? (बहुतों ने कहा – छोटे बच्चे।) (किसीने कहा – बड़े बच्चे।) बडे बच्चे ! ☺ जो माँ-बाप की भाषा नहीं समझ पाते हैं, माँ-बाप की भाषा नहीं बोल पाते हैं वो छोटे-2 बच्चे होते हैं या बड़े बच्चे होते हैं।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु – छोटे बच्चे होते हैं।

बाबा – तो छोटे बच्चे हैं? तो अभी जल्दी-2 बड़े बच्चे नहीं बनना है? जल्दी-2 बड़ा बच्चा बनना है कि नहीं बनना?

जिज्ञासु – बनना है, उसके लिए नहीं आता। "कैसे सीखना हैं?" बोलते हैं। कितना भी सीखो, नहीं आता।

Baba: *Acchaa,* alright, they are children for sure but are they small children or are they grown up children?
Student: They are grown up children.
Baba: Are they grown up children? An elder child... suppose there is a child in a family, he grows up and if he does not understand the language of his parents and if he cannot speak that language... if a child grows up and does not understand or speak the language of the parents...
Student: We can speak the language of the parents at home. Then we speak the language that if spoken in the outside world; language at home and the outside language...
Another Student: We spoke only in Telugu in the outside world. We don't know Hindi language. .
Student: In Rajasthan, they talk Hindi, in Andhra [Pradesh] they talk Telugu, in Tamilnadu they talk Tamil [and] in Karnataka they talk Kannada. In whichever language they talk, they will know only that. Those who are a little educated, they know Hindi to some extent.
Baba: *Acchaa*, tell [me]: the children who are unable speak the language of their parents; are they small children or grown up children? (Many said: small children.) (Someone said: Grown up children.) Grown up children☺! The children who are unable to understand the language of the parents, who are unable to speak the language of the parents, are they small children or grown up children?
Student: They are small children.
Baba: So, are [you] small children? So, don't you have to become grown up children quickly? Do you have to become grown up children quickly or not?
Student: We have to become. But for that they don't know [Hindi]. They ask, 'how to learn Hindi'. No matter how much they learn; they cannot speak [in Hindi].

बाबा – क्लास करो रोज और रोज हिंदी सीखो। ऐसे नहीं क्लास छोड़ के बैठ जाओ।

जिज्ञासु- हिंदी में बोल के , तेलुगु में सुना देते हैं तो सुन पाते हैं।

बाबा- क्लास में कोई दूसरी भाषा नहीं बोलनी। क्लास में... माँ-बाप का घर है। क्लास करना माना माँ-बाप के घर में, गीतापाठशाला में बाप की भाषा बोलना, दूसरी भाषा बोलनी ही नहीं। अच्छा, छोटे-2 बच्चे होते हैं ना वो इंग्लिश स्कूल में जाते हैं और वहाँ इंग्लिश में ही पढ़ाया जाता है, इंग्लिश ही बोली जाती है। हिंदी, ऊर्दू दूसरी भाषा नहीं बोली जाती, है ना? तो छोटे-2 बच्चे जो इंग्लिश स्कूल में जाते हैं वो एक-दो साल के अंदर ही अंग्रेजी बोलना सीख जाते हैं। तो आप भी पक्का कर दो, क्या? अपने टीचर से पक्का कर दो कि हिंदी ही बोलनी है। क्या? दूसरी भाषा नहीं बोलनी है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु – अमृतवेले तीन बजे उठके बाबा से हिंदी में बोलते हैं थोड़ा-2।

बाबा – हाँ, अमृतवेले भी बाबा से बातें करो, हिंदी में बातें करो, तेलुगु में नहीं और क्लास में आओ तो हिंदी ही बोलना है; दूसरी भाषा नहीं, जल्दी-2 बड़े बच्चे बन जावेंगे। ठीक है, अच्छा, भाषा ही नहीं आती तो पूछना-करना क्या?

Baba: Attend [Baba's] classes daily and learn Hindi daily. It should not be the case that you leave the *class* and sit [at home].
Student: We say in Hindi, then we translate in Telugu, then they are able to understand it.
Baba: You should not speak any other language in the *class*. In the *class*... It is the parents' home. To attend the *class* means that you should speak the Father's language in your parents' home, in the *gitapathshala*[1]. You should not speak any other language at all. *Accha*, there are small children, aren't there? They go to an English medium school and there they are taught only in English. Only English is spoken there. They don't speak Hindi, Urdu or any other language. Isn't it? So, the small children who go to the English medium schools learn to speak English just within one or two years. So, you too make it firm. What? Tell your *teacher* firmly that you have to speak only in Hindi. What? You should not speak any other language.
Student: When we wake up at *amritvela*[2] around three O' clock, we speak to Baba in Hindi a little.
Baba: Yes, speak to Baba at *amritvela* as well, speak to Him in Hindi, not Telugu . When you come to the *class*, you should speak only Hindi, not any other language; then you will become grow up children quickly. Alright, *acchaa,* when you don't know the language at all, then where is the question of asking?

वार्तालाप-161, विशाखापट्नम, ता-26-8-06

Disc.CD-161, dated 26.08.06 at Vishakhapatnam

Extracts-Part-2

समय:- 16.50-20.33

जिज्ञासु- बोला गया है कि ब्रह्मा का जो पार्ट है वो अंत तक है।

बाबा- ब्रह्मा का पार्ट सृष्टि के कार्य में अंत तक नुं□ा हुआ है।

जिज्ञासु – बच्चे के रूप में जब वो जन्म ले लेगा तो उसका क्या पार्ट खतम हो जायेगा फिर?

बाबा – वाह भई! तुम तो एकदम कॉन्सेन्ट्रेटेड हो गये। कौनसी आत्मा के ऊपर कॉन्सेन्ट्रेटेड हो गये?

जिज्ञासु- जो ब्रह्मा है ...

बाबा – कौन है ब्रह्मा? कौनसी आत्मा ब्रह्मा है?

जिज्ञासु – दादा लेखराज वाली जो...

बाबा – दादा लेखराज वाली आत्मा मूल ब्रह्मा है? कौनसी आत्मा मूल ब्रह्मा है?

[1] School of Gita
[2] Early morning hours of nectar

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु – आदि माता जगदम्बा।

बाबा – हाँ। आदि माता जो जगदम्बा ब्रह्मा है, ब्रह्मा की सोल कृष्ण के रूप में जन्म ले लेती है। (कोई कुछ कहने लगता है।) ए, इनकी बात नहीं पूरी हुई, □ीरज □र मनुआ □ीरज □र☺। इनका प्रश्न ये है कि ब्रह्मा का पार्ट स्थापना के कार्य में अंत तक नुं□ा हुआ है; तो ब्रह्मा का पार्ट जब स्थापना के कार्य में अंत तक नुं□ा हुआ है तो ब्रह्मा होगा तब तो स्थापना होगी, ब्रह्मा होगा ही नहीं तो स्थापना कैसी होगी? तो ब्रह्मा ने शरीर छोड़ दिया 69 में; तो ब्रह्मा है या नहीं है 69 के बाद?

Time: -16.50-20.33
Student: It was said that Brahma's part is till the end.
Baba: Brahma's *part* is fixed in the task of the [establishment of the] world till the end.
Student: When he is born in the form of a child, will his part end?
Baba: Wow brother! You have become completely *concentrated*. On which soul have you *concentrated* [your intellect]?
Student: The one who is Brahma...
Baba: Who is Brahma? Which soul is Brahma?
Student: The soul of Dada Lekhraj who...
Baba: Is the soul of Dada Lekhraj the original Brahma? Which soul is the original Brahma?
Student: The first mother Jagdamba.
Baba: Yes. The first mother who is Jagdamba, Brahma; Brahma's soul is born in the form of Krishna. (Someone is saying something.) His question is not yet over; 'be patient my mind, be patient'[3]☺. His question is that Brahma's *part* is fixed in the task of establishment till the end. So, when Brahma's *part* is fixed till the end in the task of establishment; the establishment will take place only when Brahma is present, how will the establishment take place if Brahma is not present at all? Brahma left his body in 69. So, is Brahma present after 69 or not?

जिज्ञासु- ब्रह्मा है बाबा, वो बोले ना शरीर छोड़ के भी कार्य कर रहा है।

बाबा – दुनिया मानेगी?

जिज्ञासु- नहीं। हम ब्राह्मणों में तो माना जा रहा है ना।

बाबा- कौन है?

जिज्ञासु- दादा लेखराज का सोल।

बाबा – ब्राह्मणों में माना जा रहा है, लेकिन दुनिया को भी तो मनवाना है।

जिज्ञासु- हमारा मतलब है कि बाबा वो जब शरीर ले लेगा, बच्चे के रूप में जन्म ले लेगा तब फिर उसके आगे...;

बाबा- बच्चे के रूप में ब्रह्मा... ब्रह्मा जिसको तुम कहते हो वो ब्रह्मा है? मूल रूप में?

जिज्ञासु- मूल रूप नहीं है बाबा।

[3] *Dhiiraj dhar manua dhiiraj dhar.*

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा – तो फिर बीच वाले को क्यों पकड़ा ब्रह्मा के रूप में? मूल रूप में जो ब्रह्मा है वो तो रूद्रमाला का मणका है। जो रूद्रमाला का मणका है वो सृष्टि के जो मुख्य बीज है उन दो बीजों में से एक है। और दोंनो बीज अंत तक पार्ट बजायेंगे। जब तक पूरी नई दुनिया की स्थापना नहीं हो जाती, नौ लाख सोलह हजार एक सौ आठ। तो ब्रह्मा का पार्ट स्थापना के कार्य में अंत तक नुं□ा हुआ है; बीच में समाप्त नहीं हो सकता। पूरी स्थापना होनी है सतयुग की। नौ लाख सोलह हजार एक सौ आठ की पूरी स्थापना होगी। जितनी-जितनी स्थापना होती जावेगी उतना-उतना विनाश भी होता जावेगा।

Student: Baba, Brahma is certainly present; it was said that he is doing the task even after leaving his body, wasn't it?
Baba: Will the world believe it?
Student: No. We Brahmins do believe it, don't we?
Baba: Who is it?
Student: The soul of Dada Lekhraj.
Baba: The Brahmins are accepting it, but the world has to be made to accept it as well.
Student: Baba, I mean, when l he takes on a body, when he is born in the form of a child, after that...
Baba: Brahma in the form of a child... the one whom you call Brahma, is he Brahma in the original form?
Student: Baba, he is not [Brahma] in the original form.
Baba: Then why did you catch hold of the middle one in the form of Brahma? The one who is Brahma in the original form is a bead of the *Rudramala*. The one who is a bead of the *Rudramala* is one of the two main seeds of the world and both the beads will play a *part* till the end until the new world is established completely. Nine lakh, sixteen thousand, one hundred and eight. So, Brahma's *part* is fixed in the task of establishment till the end; it cannot end in between. The complete establishment of the Golden Age has to take place. The complete establishment of nine lakh, sixteen thousand, one hundred and eight will take place. The more the establishment takes place, the more the destruction will also take place. ... (to be continued.)

Extracts-Part-3

समयः- 20.35-31.26

जिज्ञासु- विष्णु की जो पाँच भुजायें हैं, पाँच आत्मायें हैं, उसमें दुर्यो□न-दुःशासन कौन हैं और...?

बाबा – हाँ, उनमें दुर्यो□न-दुःशासन कौन हैं, वो पुरूष तन पाने वाले कौन हैं? जो पुरूष तन पाने वाले हैं वो कौन हैं? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) बोलो-2 बोलते जाओ ना। □ड़ा- □ड़ नहीं बोलते।

जिज्ञासु- दादा लेखराज और प्रजापिता।

बाबा – एक तो दादा लेखराज दाढ़ी-मूँछ वाला और दूसरा शंकर को भी दाढ़ी-मूँछ वाला भी दिखाते हैं और क्लीन शेव भी दिखाते हैं। माना वो एक पार्ट ऐसा है जो श्याम भी है और

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

सुंदर भी है। दादा लेखराज ब्रह्मा के लिए नहीं कहेंगे, क्या? श्याम और सुंदर। उनको क्या कहेंगे? शरीर छोड़ने तक भी उनको क्या कहेंगे? श्याम कहेंगे या सुंदर कहेंगे? बोलते काहे नहीं?

जिज्ञासु – सुंदर।

बाबा – शरीर छोड़ने के बाद सुंदर हो गये? पढ़ाई पढ़ने की दरकार नहीं रही?

जिज्ञासु- पढ़ाई पढ़ने की दरकार है ना।

बाबा- तो फिर? एडवान्स तो ज्ञान था ही नहीं। मनन-चिंतन-मंथन का जो अमृत निकलता है वो तो निकला ही नहीं और शरीर छोड़ दिया तो उनको श्याम कहेंगे या सुंदर कहेंगे?

जिज्ञासु- श्याम कहेंगे।

Time: 20.35-31.26
Student: Who is Duryodhan - Dushasan among the five arms, the five souls of Vishnu and...
Baba: Yes, who is Duryodhan - Dushasan among them? Who have the male body? Who are the ones who have male body [among them]? Speak up, go on, won't you? You don't speak fast.
Student: Dada Lekhraj and Prajapita.
Baba: One is Dada Lekhraj with beard and moustache and another is Shankar, who is also shown to have beard and moustache and he is shown *clean* shaved as well. It means that *part* alone is such that it is dark (*shyaam*) as well as beautiful (*sundar*). It will not be said for Dada Lekhraj Brahma; what? *Shyaam* and *Sundar*. What will he be called? What will he be called even until he left his body, *Shyaam* or *Sundar*? Why don't you speak?
Student: *Sundar*.
Baba: Did he become *sundar* after leaving his body? Doesn't he require to study the knowledge?
Student: There is the need to study the knowledge.
Baba: Then? He did not have the advance knowledge at all. The nectar that emerges after thinking and churning did not emerge at all [by Dada Lekhraj] and he left his body; so, will he be called *shyaam* or *sundar*?
Student: He will be called *shyaam*.

बाबा – ब्रह्माकुमारियाँ कहती हैं दादा लेखराज के रूप में ब्रह्मा ने जो पार्ट बजाया वो है श्याम और सतयुग में कृष्ण के रूप में जन्म लेगा तो होगा सुंदर; तो दो शरीरों का गायन है क्या? दो शरीरों का गायन है श्याम-सुंदर या एक शरीर का नाम है श्याम-सुंदर? एक शरीर का नाम है श्याम-सुंदर। वो कौन? प्रजापिता जो है, जब तक प्रजापिता है, पाँच सौ करोड़ की सृष्टि का पिता है। जब तक पाँच सौ करोड़ की सृष्टि पावन नहीं बनती तब तक उनका पिता है प्रजापिता और वो दाढ़ी-मूँछ वाला दिखाया जायेगा, कैसा? श्याम। मुरली में बोला, ऐसा श्याम और ऐसा सुंदर और कोई □र्म में □र्मपिता नहीं होता। इतना श्याम काले ते काला और इतना सुंदर गोरे ते गोरा पार्ट बजाने वाला और कोई नहीं हो सकता। भयंकर से भयंकर पार्ट और प्यार से प्यार भरा हुआ ऐसा पार्ट जिसमें सुख ही सुख भरा हुआ हो। सुखदाता के रूप में

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

माना जाता है, प्यार का सागर के रूप में माना जाता है। किसको? भगवान को कहते हैं ना - तू प्यार का सागर है न कि मार का सागर है?

Baba: The Brahmakumaris say that the *part* that Brahma played in the form of Dada Lekhraj is *shyam* and when he is born in the form of Krishna in the Golden Age he will be *sundar*; so is it the praise of two bodies? Is *Shyaamsundar* the praise of two bodies or is *Shyaamsundar* the name of one body? *Shyaamsundar* is the name of one body. Who is he? As regards Prajapita… as long as Prajapita is there, the father of the world consisting five billion [human souls] is there; until the world consisting of five billion [human souls] becomes pure, Prajapita is their father and he will be shown to have beard and moustache. How [will he be shown]? *Shyaam*. It has been said in the murli that no religious father of any religion is so dark and so fair. There cannot be anyone else who plays such a dark [meaning] the darkest and such a beautiful [meaning] the fairest role. [He plays] the most fearsome *part* and the most loving *part* which is full of just happiness. He is considered to be the Giver of joy, the Ocean of love. Who? It is said for God, 'You are the Ocean of love (*pyaar*)', isn't it? Or is He the ocean of beatings (*maar*)?

मार के लिए □र्मराज को निमित्त बनाए दिया कि ये मार का पार्ट बजाय, वो मेरा राईट हैण्ड है। मैं □र्मराज नहीं हूँ; कहीं बोला मैं □र्मराज हूँ? मैं □र्मराज नहीं हूँ, कौन □र्मराज है? मेरा राईट हैण्ड □र्मराज है। तो वो श्याम पार्ट भी बजाने वाला है और सुंदर पार्ट भी बजाने वाला है; तो दाढ़ी-मूँछ वाला कौनसा पार्ट हुआ? श्याम पार्ट हुआ। श्याम पार्ट माना क्लीन शेव नहीं बना, देवता नहीं बना; राक्षस है क्योंकि जब तक राक्षसों का अंत नहीं होता है दुनिया में से तब तक पाप में पाप बढ़ाने का रहम करने वाले की जरूरत है। बच्चे इतना पाप नहीं कर सकते। बच्चे तो बच्चे हैं जितना बाप पाप का पार्ट बजाए सकता है, पापों का बाप। वो सारे सृष्टि का बाप है ना; देवताओं का भी बाप है और राक्षसों का भी बाप है। तो इतने दुनिया में जो राक्षस फैले हुए हैं, ये सब बच्चे हैं ना। उन सबका बाप भी तो होना चाहिए; जो उनको ठिकाने लगाये, सतोप्र□ान बनाए तो वो बाप का पार्ट भी है। इसलिए काले ते काला है लेकिन किसके लिए काला है? कालों के लिए महाकाल है और गोरों के लिए महागोरा है। सबके लिए काला नहीं है। ऐसे होता है दुनिया में एक आत्मा, एक पार्ट बजाने वाली एक आत्मा कुछ लोगों को बहुत अच्छी लगती है और वही आत्मा कुछ लोगों को बहुत बुरी लगती है। अब बुरा है कि अच्छा है क्या फैसला किया जाये? ऐसे ही है। देवताओं के लिए महादेव है और राक्षसों के लिए महाराक्षस है। इसलिए... तुम्हारा प्रश्न पूरा हुआ अभी? तुम्हारा प्रश्न क्या था?

He made Dharmaraj (the Chief Justice) as the instrument for beatings, [by saying:] he will play the *part* of beatings; he is My *right hand*. I am not Dharmaraj. Has it been said anywhere that I am Dharmaraj? I am not Dharmaraj; who is Dharmaraj? My *right hand* is Dharmaraj. So, he plays a dark *part* as well as a beautiful *part*. So, which is the *part* with beard and moustache? It is a *shyaam part*. *Shyaam part* means, he did not become *clean* shaved, he did

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

not become a deity. He is a demon; because unless the demons are destroyed from the world, there is the necessity of the one who shows mercy to increase the sins. The children cannot commit so many sins. The children are simply children. The extent to which the Father can play a *part* of [increasing] sins, the father of sins… He is the father of the entire world, isn't he? He is the father of the deities as well as the demons. So, all the numerous demons that are spread in the world are children, aren't they? There should also be a father of all of them, who sets them right, who makes them *satopradhaan*. So, it is the *part* of the father as well. This is why he is the darkest but he is dark for whom? He is *Mahaakaal* (the darkest one) for the dark ones and he is *mahaagoraa* (the fairest one) for the fair ones. He is not dark for everyone. It happens like this in the world, a soul which plays a *part* appears very nice to some people and the same soul appears very bad to some others. Well, is he bad or is he good? What decision should be taken? It is the same thing [here]. He is *Mahaadev* (the greatest deity) for the deities and he is *Mahaaraakshas* (the biggest demon) for the demons. This is why... Is your question answered now? What was your question?

जिज्ञासु – विष्णु में...

बाबा- हाँ, विष्णु की जो भुजायें है, विष्णु में जो पार्ट बजाने वाले जो पार्टधारी है उनमें दुर्योधन-दुःशासन का पार्ट बजाने वाला कौन और सीता, द्रौपदी और पार्वती का पार्ट बजाने वाला कौन? अव्वल नंबर पार्वती का पार्ट बजाने वाला कौन और अव्वल नंबर राक्षस का पार्ट बजाने वाला कौन?

जिज्ञासु- वैष्णव देवी राक्षस का पार्ट।

बाबा- वैष्णव देवी राक्षस का पार्ट बजाने वाली? भक्तिमार्ग में कहीं भी विष्णु को खराब रूप में दिखाया ही नहीं गया है। विष्णु सदैव देवताओं को पक्ष देता है। तो जो बड़े ते बड़ा दुर्योधन कौन है पाँच भुजाओं में? पाँच भुजायें नहीं कहेंगे; चार भुजायें और एक उनको चलाने वाला। तो चलाने वाला तो बायीं ओर की भुजाओं को भी चलाने वाला है और दायीं ओर की भुजाओं को भी चलाने वाला है। वो तो दोंनो का बाप हो गया उसकी तो बात ही निकल गई। वो तो राक्षसों, बायी ओर की भुजाओं, राक्षसों का भी बाप और देवताओं का भी बाप। वो तो एक्सट्रा ऑर्डिनरी हो गया।

Student: In Vishnu…
Baba: Yes, the arms of Vishnu; among the actors who play a *part* in [the *murti* of] Vishnu, who plays the *part* of Duryodhan - Dushasan and who plays the *part* of Sita, Draupadi and Parvati? Who plays the No.1 *part* of Parvati and who plays the No.1 *part* of demon?
Student: Vaishnav Devi plays the part of demon.
Baba: Does Vaishnav Devi play the *part* of a demon? ☺ Nowhere in the path of *bhakti* has Vishnu been shown in a bad form at all. Vishnu always sides with the deities. So, who is the biggest Duryodhan among the five arms? It will not be said five arms. There are four arms and one is their controller. So, the controller controls the left arms as well as the right arms. He is the father of both [type of arms] so his question doesn't arise at all. He is the father of the left arms, the demons as well as the deities. He is *extra ordinary*.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

अब रह गई चार भुजायें। चार भुजाओं में दुर्यो□न-दु:शासन अव्वल नंबर का कौन और अव्वल नंबर की पार्वती कौन, द्रौपदी कौन, सीता कौन? दो सीतायें दिखाई गई है रामायण में। एक सीता से कहा, ओरिजनल सीता से कहा- तुम पावक में करो निवासा जब लगे करो निशाचर नासा। तुम पावक माना योगाग्नि। तुम योगाग्नि में निवास करो तब तक मैं निशाचारों का नाश करता हूँ । उसको तो योग में बैठाय दिया, योग अग्नि में। कौनसे सन□में बैठाय दिया? अरे, कभी शूटिंग पीरियड में बैठाया होगा ना? बातें प्रैक्टिकल हैं, न कि ऐसे ही झूठी बातें हैं?

जिज्ञासु- 76 से।

बाबा- हाँ, 76 से पहले ही बैठाय दिया। तुम योगाग्नि में निवास करो तब तक मैं इन निशाचरों का नाश करता हूँ। एक सीता तो वो हो गई अव्वल नंबर सीता और दूसरी सीता सोने की मूर्ति बना के रख दी। कहते हैं पंच तत्वों की मूर्ति, क्या? पंच तत्वों की मूर्ति बना करके रख दी और उस मूर्ति को रावण उठा ले गया। प्रैक्टिकल बातें हैं या झूठी बातें हैं? प्रैक्टिकल बातें हैं। एक कैसेट भी चली है सीता, रावण की जेल में, क्या? एडवान्स में एक कैसेट चली है सीता इस समय कहाँ है, किसके अन्डर में है? सीता, रावण की जेल में है। तो कौनसी सीता रावण के जेल में है? अव्वल नंबर या दूसरी नंबर की?

जिज्ञासु- दूसरी नंबर की।

बाबा: दूसरे नंबर की सीता रावण की जेल में है।

Now [the topic of] the four arms remains. Among the four arms who is the No.1 Duryodhan - Dushasan and who is the No.1 Parvati, Draupadi, Sita? Two Sitas have been shown in the Ramayana. One Sita, the *original* Sita was told, "*Tum paavak mein karo nivaasaa, jab lagii karo nishaacar naashaa". 'Paavak'* means the fire of yoga. You, stay in the fire of yoga until then I will destroy these demons (*nishaacar*). She was made to sit in yoga, in the fire of yoga. In which year was she made to sit [in the fire of *yoga*]? *Arey*, she must have been made to sit [in the fire of yoga] in the *shooting period*, mustn't she? Are these *practical* concepts or false concepts?

Student: Since 76.

Baba: Yes, she was made to sit well before 76. Stay in the fire of yoga until then I will destroy these demons. That Sita is one, the No.1 Sita and the other Sita was placed as a golden *murti* (idol). It is said to be the *murti* of five elements. What? A *murti* of five elements was made and placed and Ravan took away that *murti*. Are these *practical* concepts or false concepts? They are *practical* concepts. A *cassette* has also been recorded [stating] Sita [is] in the *jail* of Ravan. What? A *cassette* has been recorded in the Advance [party], [stating] where Sita is at present; *under* whose control she is. Sita is in the *jail* of Ravan. So, which Sita is in the *jail* of Ravan? [Is she] the No.1 or No.2 [Sita]?

Student: No.2.

Baba: The No.2 Sita is in the *jail* of Ravan. … (to be continued.)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Extracts-Part-4

समय: 31.25-46.05

बाबा- हाँ, तो बात हो रही थी भुजाओं की। वो लेफटिस्ट भुजायें कौन जो दुर्यो□न-दु:शासन का पार्ट बजाती हैं और राईटियस भुजायें कौन जो राईटियस काम ही करती हैं, लेफटिस्ट काम नहीं करती? बताओ-2 जल्दी बताओ।

जिज्ञासु- लक्ष्मी □न बांटती है।

बाबा- हाँ, लक्ष्मी □न बांटती है और?

जिज्ञासु- जगदम्बा – जगतपिता।

बाबा- जगदम्बा □ारण करती है। तो जो □ारण करे और एक जो बांटे... कोई-2 विद्वान, आचार्य होते हैं वो बहुत बड़े विद्वान होते हैं; उनसे विद्वत्ता में कोई जीत नहीं सकता लेकिन प्रैक्टिकल में फेल होते हैं। ऐसे ही इन भुजाओं में भी ज्ञान को □ारण करने वाली शक्ति कौन जो □ारण बहुत करती है ज्ञानरत्नों को?

जिज्ञासु – जगदम्बा।

Time: 31.25-46.05
Baba: Yes. So, the topic of the arms [of Vishnu] was being discussed. Who are those left arms that play the *part* of Duryodhan and Dushaasan and who are the *righteous* arms which perform only the *righteous* tasks, who do not perform the leftist (unrighteous) tasks? Tell [me], tell [me] quickly.
Student: Lakshmi distributes wealth.
Baba: Yes, Lakshmi distributes wealth and [what about the others]?
Student: Jagdamba - Jagatpita.
Baba: Jagdamba bears it (the pot of wealth). So, there is one who bears it and the other distributes it; there are some scholars [and] teachers who are very wise. Nobody can gain victory over them in wisdom but they *fail* in putting it in practice. Similarly, which *shakti* among these arms imbibes the knowledge, the one who imbibes the jewels of knowledge a lot?
Student: Jagdamba.

बाबा- बड़ी-2 दीदी-दादीयाँ मुकाबला नहीं कर सकती, क्या? एडवान्स के भी बड़े-2 महारथी थर-थराते हैं और प्रैक्टिकल में बाप की सहयोगी कितना बन पाती है, नई दुनिया स्थापन करने में, नई दुनिया की युनिटी बनाने में कितनी सहयोगी बनती है, सहयोगी बनती है या विरो□ी बनती है? बाप की सहयोगी बनती है या माया रावण की सहयोगी बनती है? अरे, रावण के कितने मुख? दस मुख। पाँच मुख माया के, रावण के पुरुष मुख और पाँच मुख स्त्री मुख। उनमें मंदोदरी किनको कहा गया? मंद उदर, पेट वाली। मंद बुद्धि। कौनसे सिर हैं? काम, क्रो□, लोभ, मोह, अहंकार या पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश? पृथ्वी, जल, वायु, अग्नि, आकाश ये

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जड़त्व हैं। जड़त्वमयी बुद्धि है, मंद उदर वाले हैं। मुरली में बोला है मेरे साथ रहने वाले बच्चे मेरे को नहीं पहचान पाते। जिन्होंने सबसे ज्यादा साथ निभाया, सबसे ज्यादा संग किया, सबसे जास्ती मिलन-मेला मनाया... क्या? चाहे विजयमाला हो और चाहे रूद्रमाला हो इतना मिलन-मेला और किसी ने नहीं मनाया। कितना साथ किया होगा, कितना संग किया होगा? ऐसे मेरे साथ रहने वाले भी मेरे को नहीं पहचान पाते; तो उनको मंद बुद्धि कहें या तीव्र बुद्धि कहें? हो गये ना मंद बुद्धि, मंदोदरी। आखरीन रावण का ही साथ दिया ना, राम का तो साथ नहीं दिया ना।

Baba: Big *didis*, *dadis* are unable to confront her; what? Even the big *mahaarathis* (great warriors) of the Advance [party] shiver [with fear in front of her]; but to what extent is she able to help the Father in practice, in establishing the new world, in creating the *unity* of the new world? Does she become a helper or an opponent? Does she become the **Father's** helper or does she become the helper of **Maya Ravan**? *Arey*, how many heads does Ravan have? Ten heads. Five male heads of Ravan and five female heads [of Maya]. Who has been called Mandodari among them? The one with *mand udar* (weak stomach); [the one with a] dull intellect. Which are the heads? Lust, anger, greed, attachment, ego or earth, water, wind, fire and sky? Earth, water, wind, fire and sky are inert. They have an inert intellect, they are the ones with a weak stomach. It has been said in the murli, 'the children who stay with Me are unable to recognize Me'. Those who maintained the relationship the most, those who were in his company more than anyone else, those who enjoyed the meeting-fair more than anyone else; what? Whether it is the *Vijaymala*[4] or the *Rudramala*[5], nobody enjoyed the meeting as much as she did. She must have enjoyed the company so much! She must have been in his company so much! Even such ones who stay with Me [so much] are unable to recognize Me; so will they be called the one with a dull intellect or the one with a sharp intellect? They became the ones with a dull intellect (*mand buddhi*), Mandodari, didn't they? Ultimately she supported Ravan himself, didn't she? She certainly did not support Ram, did she?

और अव्यक्त वाणी में अभी बोल भी दिया। क्या बोला? बापदादा ने तुम बच्चों को नई दुनिया की सौगात दे दी है। दी है ना? माना नई दुनिया बनी है अभी। नई दुनिया का फाउडेन्शन पड़ गया रूद्रमाला के अंदर। भले सम्पन्न दुनिया नहीं बनी है स्वर्ग की; लेकिन फाउडेन्शन पड़ गया। जैसे फाउडेन्शन डाला जाता है तो जमीन खोदी जाती है ना। जमीन खोदते हैं और उसके अंदर पत्थर डालते हैं। तो जो फाउडेन्शन में पत्थर या ईंटें डाली जाती हैं वो दिखाई पड़ती हैं? नहीं दिखाई पड़ती है। ऐसे ही अभी भी चाहे रूद्रमाला हो, एडवान्स पार्टी हो और चाहे विजयमाला हो या बेसिक पार्टी हो, कोई को भी वो फाउडेन्शन नई दुनिया का दिखाई नहीं पड़ रहा है। अष्टदेवों से तो बात ही की है कि नई दुनिया की सौगात तुम बच्चों को दी है ना; उसमें आना-जाना करते हो ना। तो वो युनिटी किसने बनाई? रावण के जेल में रहने वाली सीता ने बनाई या बनाने वाले कोई और है?

[4] Lit. the rosary of victory

[5] The rosary of Rudra (a title of Shankar)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- कोई और है।
बाबा- नई दुनिया की युनिटी प्योरिटी के आ□ार पर किसने बनाई होगी?
जिज्ञासु- अव्वल नंबर सीता।
बाबा- अव्वल नंबर सीता है? दिखाई पड़ रही है? कहीं है?
जिज्ञासु- अभी तो नहीं।

And it was also said in the *avyakt vani* now; what was said? Bapdada has given you children the gift of the new world. He has given it, hasn't he? It means that the new world has been created now. The *foundation* of the new world has been laid in the *Rudramala*. Although a complete world of heaven has not been made, the *foundation* has been laid. For example, when the *foundation* is laid, the land is dug up, isn't it? The land is dug and stones are put in it. So, are the stones or bricks that are put in the *foundation* visible? They are not visible. Similarly, also at this time, whether it is the *Rudramala*, the Advance party or whether it is the *Vijaymala* or the Basic party, that *foundation* of the new world is not visible to anyone. The conversation has indeed taken place with the eight deities, 'you children have been given the gift of the new world, haven't you? You keep visiting that new world, don't you?' So, who formed that *unity*? Did the Sita living in the *jail* of Ravan form [the unity] or did anyone else form it?
Student: There is someone else.
Baba: Who must have formed the *unity* of the new world on the basis of *purity*?
Student: The No.1 Sita.
Baba: Is it the No.1 Sita? Is she visible? Is she anywhere?
Student: Not now.

बाबा- फिर, ऐसे ही बोल दिया? अभी विजयमाला की शुरूआत हो गई?
जिज्ञासु- नहीं।
बाबा- फिर? विजयमाला के लिए बताया कि विजयमाला की हेड, वैष्णव देवी तब प्रत्यक्ष होगी, तीसरी मूर्ति जब साढ़े 3-4 साल पूरे हो जाये। अंतराल का पीरियड। जैसे पहली मूर्ति ब्रह्मा उसको प्रत्यक्ष होने के लिए 14-15 साल लगे तब 51 में आ करके ब्रह्माकुमारी विद्यालय नाम पड़ा; उससे पहले नहीं। ऐसे ही दूसरी मूर्ति कितने साल लगे? 7-8 साल लगे तब 77 में सम्पूर्णता वर्ष हुआ। तो दूसरी मूर्ति प्रत्यक्ष होने में भी 7-8 साल लग गए, आ□ा टाईम लगा ना; तो तीसरी मूर्ति प्रत्यक्ष होने में भी कुछ टाईम लगेगा या नहीं लगेगा? 2004 में तो शूटिंग पूरी हो गई संकल्पों के आ□ार पर जो चलने वाली शूटिंग है वो टाईम पूरा हुआ, तो अंतराल का पीरियड आगे कितना होना चाहिए? 3-4 साल होना चाहिए। तो 3-4 साल कब पूरे होते हैं? 2008 में पूरे होते हैं। उससे पहले तो तीसरी मूर्ति प्रत्यक्ष होने वाली नहीं। जब प्रत्यक्ष ही नहीं हुई है तो उसका नाम कहाँ से आ जायेगा? युनिटी बनाने वालों में उसका नाम कहां से आ जायेगा? आयेगा? नहीं आयेगा। वो तो चंद्रवंश से आती है। चंद्रवंश ज्यादा पावरफुल है या सूर्यवंश ज्यादा पावरफुल है?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- सूर्यवंश।

Baba: Then, did you say that simply? Has the *Vijaymala* started [to arrive] now?
Student: No.
Baba: Then? It was said for the *Vijaymala* that the head of *Vijaymala*, Vaishnavi Devi, the third personality will be revealed when three and a half to four years, the period of interval is completed. For example, it took 14-15 years for the first personality Brahma to be revealed. Then the name Brahmakumari Vidyalay was given in [the year] 51. It was not given before that. Similarly, how many years did it take for the second personality [to be revealed]? It took 7-8 years; then the year of perfection was celebrated in 77. Therefore, it took 7- 8 years for the second personality to be revealed. It took half the *time* [compared to the first personality], didn't it? So, will it take some *time* for the third personality to be revealed as well or not? The *shooting* was completed on the basis of thoughts in 2004; that *time* is over. So, how long should be the further interval *period*? It should be 3-4 years. So, when do those 3-4 years finish? They are completed in 2008. The third personality is not going to be revealed before that. When she is not revealed at all, how will her name come [among the ones who form unity]? How will her name be included among the ones who form *unity*? Will it be included? It will not be included. She comes from the Moon Dynasty. Is the Moon Dynasty more *powerful* or is the Sun Dynasty more *powerful*?
Student: The Sun Dynasty.

बाबा- तो सूर्यवंश वाले जो मणके होंगे वो पहले फाउडेन्शन डालेंगे नई दुनिया का या चंद्रवंशी डालेंगे? सूर्यवंशी डालेंगे। तो नई दुनिया की युनिटी बनाने में वो सीता नहीं हो सकती जो रावण की जेल में है। जो खुद ही पर पुरूष के आ□ीन है उसके बुद्धि में बैठा हुआ है गीता का भगवान कृष्ण। कृष्ण की गीता से दुनिया नर्क बनती है और शिव की गीता से दुनिया स्वर्ग बनती है। एक है शिव शंकर भोलेनाथ की गीता और एक है कृष्ण की गीता। कृष्ण की गीता के ऊपर, कृष्ण की गीता के दिल पर कृष्ण की छाप पड़ी हुई है और शिव शंकर भोलेनाथ की गीता के दिल पर किसकी छाप पड़ी है? शिव शंकर भोलेनाथ की छाप पड़ी हुई है। तो दिल की बात दिखाई नहीं पड़ती है किसी को। दिखाई पड़ती है क्या? दिल के अंदर क्या है, कौन जाने। गुड़ जाने और गुड़ की गोथरी जाने। तो समा□ान हुआ? विष्णु की कौनसी भुजायें लेफ़्टिस्ट है और कौनसी भुजायें राईटियस हैं? कौनसी भुजायें दुर्यो□न-दुःशासन का पार्ट बजाने वाली रही और कौनसी भुजायें, ब्रह्मा रूपी भुजायें ऐसी है जो स्थापना का पार्ट बजाने वाली है? कोई स्थापना में विशेष सहयोगी, कोई विनाश में विशेष सहयोगी, कौन है? स्थापना में कौन विशेष सहयोगी? वैष्णव देवी। (वीडियो कट) बात बाद में जो इन्होंने बात कही वो समझ में आ गई? नहीं आ आई, ये बीच में छोड़ देना है? हाँ, बोलो।

Baba: So, will the beads of the Sun Dynasty lay the *foundation* of the new world first or will those of the Moon Dynasty lay the foundation? Those of the Sun Dynasty will lay it. So, that Sita who is in Ravan's jail, cannot be [involved] in forming that *unity* of the new world. The one who herself is under the influence of another man, it has sat in her intellect that God of

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

the Gita is Krishna. Krishna's Gita makes the world hell and Shiva's Gita makes the world heaven. One is the Gita of Shiva Shankar Bholenath (lord of the innocent ones) and the other is Krishna's Gita. On Krishna's Gita, the heart of Krishna's Gita's has the impression of Krishna and there is whose impression on the heart of Shiva Shankar Bholenath's Gita? There is the impression of Shiva Shankar Bholenath. The thought in the heart is not visible to anyone. Is it visible? Who knows what is in the heart? Only molasses and the sack containing molasses knows it (only the incorporeal one and the corporeal one know the truth). So, did you get the solution? Which arms of Vishnu belong to the left side and which arms belong to the right side? Which arms played the part of Duryodhan and Dushasan and which arms, the arms in the form of Brahma are such who played the *part* of establishment? Some are especially helpful in the task of establishment and some are especially helpful in the task of destruction; who are they? Who is especially helpful in establishment? Vaishnav Devi. (VIDEO CUT.) (Someone said something.) Did you understand the topic that he raised? You did not? Should this topic be left in between? Yes, speak up.

जिज्ञासु- दो हुआ ना, दो तो हो गया।

बाबा- कौन-2 दो?

जिज्ञासु- एक अव्वल नंबर की सीता और एक जगदम्बा। एक स्थापनाकारी और एक विनाशकारी।

बाबा- नंबर दो का माल कौन, नंबर वन का माल कौन? नंबर दो अच्छा होता है या नंबर एक अच्छा होता है? नंबर एक अच्छा माना जाता है, नंबर दो का डुप्लीकेट माना जाता है। यज्ञ के आदि में भी डुप्लीकेट स्वर्ग स्थापन हुआ था। जिसकी यादगार अजमेर में दिखाई जाती है। दिखाई जाती है या नहीं दिखाई जाती? दिखाई जाती है ना। वहाँ पूजा नहीं होती है ब्रह्मा की, मूर्तियाँ रखी हुई है लेकिन पूजा नहीं है। वहाँ के जो रहने वाले हैं...

जिज्ञासु- सिर्फ देखने के लिए जाते हैं।

बाबा- हाँ, दूसरे लोग सिर्फ देखने के लिए जाते हैं दर्शन करने, लेकिन जो दूसरे, जो वहाँ रहने वाले है पण्डे□पुजारी वो ही उनकी पूजा करते हैं। जैसे माउन्ट आबू में रहने वाले हैं जो भी रहने वाले हैं वही उसकी पूजा करते हैं ट्रान्सलाईट के चित्र की, जो रहने वाले नहीं हैं वो उसकी पूजा भी नहीं करते। हाँ, तो बताओ कौनसी दो भुजायें दुर्यो□न-दु:शासन के रूप में जो... भुजा माना आत्मा, सहयोगी। कौनसी दो भुजा रूपी आत्मायें हैं जो दुर्यो□न-दु:शासन के रूप में पार्ट बजाती है और कौनसी दो भुजायें हैं जो सीता और पार्वती के रूप में पार्ट बजाती है?

Student: They are the two arms, aren't they? Two of them are explained.
Baba: Who are the two?
Student: One is the No.1 Sita and the other is Jagdamba. One does establishment and the other brings destruction.
Baba: Who is the No.2 material and who is the No.1 material? Is No.2 good or is No.1 good? No.1 is considered to be good; No.2 [material] is considered as *duplicate*. Even in the beginning of the *yagya* a *duplicate* heaven was established, its memorial is shown in Ajmer.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Is it shown or not? It is shown, isn't it? Brahma is not worshipped there; his idols are placed, but he is not worshipped. The residents of that place…
Student: They go there just to see.
Baba: Yes, other people go there just to see [the idols], to have a glimpse. But the others, only the residents of that place, the guides and priests worship them. For example, the residents of Mount Abu, only the residents worship the *trance light*[6] picture (of Brahma). Those who do not live there do not worship him either. Yes, so tell [me] which two arms [play the *part*] in the form of Duryodhan and Dushasan? Arm means a soul, the helper. Which two souls in the form of arms play *part* in the form of Duryodhan and Dushasan and which two arms play the *part* in the form of Sita and Parvati?

जिज्ञासु- जगदम्बा और दादा लेखराज ब्रह्मा दोनों।
बाबा – किस रूप में?
जिज्ञासु- दुर्यो न-दु:शासन के रूप में।
बाबा- लो, सीता ही बोल रहे हैं!
जिज्ञासु- ओमरा े सरस्वती और वैष्णव देवी दोंनो...
बाबा- हाँ, स्थापना और पालना के रूप में पार्ट बजाने वाली। ओमरा े स्थापना के रूप में और वैष्णवी देवी पालना के रूप में पार्ट बजाने वाली। हाँ, जी। प्रश्न क्लीयर हो गया? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) दुर्यो न-दु:शासन कौन? कौनसी आत्मायें ? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) और सीता, द्रौपदी कौन? बोलो तो, समझ में आया तो बोलो। प्रश्नचित्त ही बने रहोगे क्या? प्रसन्नचित्त भी तो हो। अरे, जवाब मिल जाता है तो खुश हो जाती है ना आत्मा। हाँ, तो बताओ कौन-2 क्या-2 है?
जिज्ञासु- एक वैष्णवी और ओमरा े स्थापनाकारी और पालनाकारी।
बाबा- हाँ।
जिज्ञासु- और विनाशकारी में दो आत्मा।
बाबा- कचुआये रहे हो बोलने में ।
जिज्ञासु- जगदम्बा और रा ा बच्ची।
बाबा- हाँ, तुम्हारी लेफ्टिस्ट भुजा ज्यादा तीखी है।

Student: Both Jagadamba and Dada Lekhraj Brahma.
Baba: In which form?
Student: In the form of Duryodhan - Dushaasan.
Baba: Look, she is still saying Sita.
Student: Both Om Radhe Saraswati and Vaishnavi Devi...
Baba: Yes, they play the *part* in the form of establishment and sustenance. Om Radhe [plays part] in the form of establishment and Vaishnavi Devi plays *part* [in the form] of sustenance. Yes. Has the question been clarified? (Student said something.) Which souls are Duryodhan

[6] Pictures in a box lit from inside

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

and Dushaasan? (Student said something.) And who is Sita, Draupadi? Do speak up. Speak up if you have understood. Will you continue to have questions in mind? Become cheerful! *Arey*, when the soul gets a solution it feels joyful, doesn't it? Yes, so tell [me] who's who?
Student: One is Vaishnavi and Om Radhe, they establish and sustain.
Baba: Yes.
Student: And there are two souls which bring destruction.
Baba: You are hesitating to speak.
Student: Jagdamba and daughter Radha.
Baba: [Indicating towards the person sitting on the left side of the student:] Yes, your left arm is sharper. … (to be continued.)

Extracts-Part-5

समय: 46.05-47.35

जिज्ञासु ने कुछ पूछा।

बाबा- ये क्या पूछ रहे हैं समझ में आया?

दूसरा जिज्ञासु- शिव बापदादा और चैतन्य शिवालय दोनो एक ही है क्या ?

बाबा- नहीं, जब शिव नाम जोड़ देते हैं तो बाप साबित ही हो जाता है। शिव कहेंगे तो बाप है ही है और दादा किसके लिए बोल दिया? बापदादा है कम्बाइन्ड, क्या? और मात-पिता है अलग-अलग। हाँ, तो पूछ क्या रहे हैं, शिव बापदादा?

जिज्ञासु – शिव बापदादा माना चैतन्य शिवालय, बात एक ही है ना?

बाबा – बापदादा माना चैतन्य शिवालय।

जिज्ञासु- दोंनो एक ही है ना?

बाबा- दोंनो एक ही हैं। एक तन के द्वारा कम्बाइन्ड पार्ट चल रहा है ना; तो एक ही हुए ना। जो अर्धनारीश्वर का रूप दिखाया जाता है उसे एक कहेंगे या दो कहेंगे?

जिज्ञासु- एक कहेंगे ।

बाबा- एक ही कहेंगे।

Time: 46.05-47.35
Student asked something.
Baba: Did you understand what he is asking?
Another Student: Are both Shiva Bapdada and living *Shivaalay*[7] one and the same?
Baba: No, when the name Shiva is added, He is undeniably proved to be the Father. When you say Shiva the Father is indeed there; and 'Dada' was said for whom? Bapdada are *combined*; what? And the mother and the father are separate. Yes, so what is he asking? Shiva Bapdada…?
Student: Does Shiva Bapdada and living *Shivaalay* mean one and the same?
Baba: Bapdada means the living *Shivaalay*.
Student: Both of them are one and the same, aren't they?

[7] The house of Shiva.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Both are same. The *combined part* is being played through the same body, isn't it? So, they are one, aren't they? Will the form of *Ardhanaariishwar*[8] that is shown be said to be one or two?
Student: It will be said to be one.
Baba: It will be said to be only one.

समय: 47.38-52.40

जिज्ञासु ने कुछ पूछा।

दूसरा जिज्ञासु- बाबा, ये बोल रहे है, प्रजापिता ब्रह्मा और सीता राम दोंनो एक ही है क्या?

बाबा- प्रजापिता ब्रह्मा वो है जो पाँच ब्रह्मा में से बाप का पार्ट बजाता है।

दूसरा जिज्ञासु- जो बीच वाला है।

जिज्ञासु- फिर पतित-पावन सीता राम माना कौन?

बाबा- जब पतित पावन कहा जाता है, पतितों को पावन बनाने वाला, तो सीता का नाम आगे है, क्या? और राम का नाम पीछे है। पीछे क्यों? रूद्रमाला आगे या रूद्रमाला पीछे? रूद्रमाला आगे होना चाहिए या पीछे होना चाहिए? शिव की माला है रूद्रमाला और विष्णु की माला है विष्णुमाला। कौनसी ऊँची?

जिज्ञासु- रूद्रमाला।

Time: 47.38-52.40
Student asked something.
Another Student: Baba, he is asking: are Prajapita Brahma and Sita-Ram one and the same?
Baba: Prajapita Brahma is the one among the five Brahmas who plays the *part* of the Father.
Another Student: He is the middle one.
Student: Then, who are Sita Ram the purifier of the sinful ones?
Baba: When it is said *patit-paavan* [meaning] the purifier of the sinful ones, Sita's name is first; what? And Ram's name is after her. Why is it afterwards? Is the *Rudramala* ahead or is the *Rudramala* behind? Should the *Rudramala* be ahead or should it be behind? Shiva's rosary is the *Rudramala* and Vishnu's rosary is the *Vishnumala*. Which one is greater?
Student: The *Rudramala*.

बाबा- रूद्रमाला ऊँची और रूद्रमाला में राम है। रूद्रमाला में राम है और विजयमाला में अव्वल नंबर सीता है। तो सीता का नाम पहले होना चाहिए या राम का नाम पहले होना चाहिए?

जिज्ञासुओं ने कहा- सीता का नाम पहले होना चाहिए।

बाबा – क्यों? (किसी ने कहा - प्यूरिटि।) हाँ, राम की आत्मा जो पार्ट बजाती है वो विदेशी बाप का पार्ट बजाती है। बाप इस समय क्या बन के आया हुआ है? (किसीने कहा - विदेशी बनके आया है।) विदेशी बनकर के आया हुआ है। अगर विदेशी बनकर के न आवे तो सबसे

[8] Half male and half female form of Shankar

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

मिल भी नहीं सकता। इसलिए बाप है विदेशी और माता है स्वदेशी। इसलिए अव्यक्त वाणी में पहली में बोला है- भारतमाता शिवशक्ति अवतार अंत का यही नारा है।

दूसरा जिज्ञासु- बाप फिर नर, मनुष्य में ही क्यों आते हैं?

बाबा- नहीं, सवाल ये है - पतित-पावन सीता-राम में सीता का नाम पहले क्यों?

जिज्ञासु- प्योरिटी।

Baba: *Rudramala* is greater and *Rudramala* includes Ram. There is Ram in the *Rudramala* and there is the No.1 Sita in the *Vijaymala*. So, should Sita's name be first or should Ram's name be first?
Students: Sita's name should be first.
Baba: Why? (Someone said: Purity.) Yes, the *part* that the soul of Ram plays is of the Father , a foreigner . In what form has the Father come now? (Someone said: He has come in the form of a foreigner.) He has come as a foreigner. If He does not come as a foreigner, He cannot meet everyone either. This is why the Father is a *videshi* (foreigner) and the mother is a *swadeshi* (Indian). This is why it has been said in the first avyakt vani: *Bharat mata Shiv Shakti Avtaar*[9] is the very slogan of the end.
Another Student: Then why does the Father come only in a male, human body?
Baba: No, the question is, 'why is Sita's name mentioned first in [the slogan:] '*Patit-paavan Sita-Ram'*?
Student: Purity.

बाबा- हाँ, जब तक प्योरिटी नहीं है तब तक पतित-पावन राम भी नहीं बन सकता और राम की आत्मा तब तक पतित से पावन नहीं बन सकती जब तक उसको समान सहयोगी पुरूषार्थी नहीं मिलता, क्या? जो प्रवृत्तिमार्ग बनाने वाला साथी होना चाहिए, वो समान पुरूषार्थी होना चाहिए या ऊपर-नीचे होना चाहिए?

जिज्ञासुओं ने कहा- समान होना चाहिए।

बाबा- हाँ।

दूसरा जिज्ञासु- फिर बाबा अभी बोला था ना कि भगवान सिर्फ मनुष्य तन में ही आता है मतलब ...

बाबा- पुरूष तन में आता है।

जिज्ञासु- पुरूष तन में आता है, ये कह्यों फिर?

बाबा- बुद्धि ज्यादा तीक्ष्ण पुरूष तन में होती है या स्त्री चोले में होती है?

जिज्ञासु- पुरूष चोले में।

बाबा- स्त्री कितनी भी तीक्ष्ण बुद्धिवाली हो लेकिन उसे साथी चाहिए जिंदगी में, संरक्षक चाहिए इस दुनिया में। जो रावण राज्य की दुनिया है उसमें स्त्री चोले को कोई न कोई छत्रछाया चाहिए। पति माना पाती, रक्षा करने वाला चाहिए, इसलिए अ□री है।

[9] The incarnation of *Shiva Shakti* (lit. Shiva's power) in the form of Mother India

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes, as long as there isn't *purity*, even Ram cannot become the purifier of the sinful ones (*patit-paavan*); and the soul of Ram cannot transform from sinful to pure unless he gets an equal helper *purushaarthi*[10]. What? Should the companion who establishes the household path be equal *purushaarthi* or should he be unequal?
Students: He should be equal.
Baba: Yes.
Another Student: Baba then, it was said just now that God comes only in a human body, it means...
Baba: He comes in a male body.
Student: He comes in a male body; then why is it like that?
Baba: Does a male body have sharper intellect or does a female body have sharper intellect?
Student: A male body.
Baba: However much intelligent a woman is, she requires a companion in her life, a protector in this world. In the world of Ravan's kingdom, a female body requires some shelter (protection). *Pati* (husband) means *paati*, she requires a protector; this is why she is incomplete.

तीसरा जिज्ञासु- अगर वही आत्मा दुबारा दूसरे जन्म में स्त्री चोले में भी प्रवेश करती है। वही आत्मा...

बाबा- कौन आत्मा?

तीसरा जिज्ञासु- मतलब आत्मा पुरूष चोला में भी प्रवेश कर सकती हैं और स्त्री चोले में प्रवेश कर सकती हैं।

बाबा- संगमयुग की बात करो। (दूसरे जिज्ञासु ने कुछ कहा।) अरे, कुछ अन्दर है वो तो बाहर आने दो। (दूसरा जिज्ञासु- इनका क्लीयर हो गया।) क्लीयर हो गया? (तीसरा जिज्ञासु- हाँ।) अरे, औरों को भी तो क्लीयर होने दो। तुमने अंदर ही अंदर घुटमटा लिया।

तीसरा जिज्ञासु- माना चोले का असर पड़ता है बाबा?

बाबा- क्यों, चोले का असर नहीं पड़ेगा? संग का रंग चोले के द्वारा लगता है या आत्मा का डायरेक्ट संग का रंग लगता है? चोले के साथ लगता है।

A third student: If the same soul also enters a female body in the next birth. The same soul...
Baba: Which soul?
The third student: I mean that a soul can enter a male body as well as a female body.
Baba: Speak about the Confluence Age. (The second student said something.) *Arey* … he has got something inside [his mind], let it come out. (The second student: it has become clear.) Is it *clear*? (The third student: yes.) *Arey*, let it become *clear* to others as well. You yourself have understood it from inside!
Student: Baba, does it mean that the body has an influence?

[10] The one who makes spiritual effort

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Why? Will the body not have an influence? Is the colour of company applied through the body or is it applied directly by the soul? It is applied through the body…. (to be continued.)

Extracts-Part-6

समय: 52.42-54.30

जिज्ञासु- बाबा, एक मुरली में बोला है कि जैसे-2 18 के बाद आत्मायें दबेगी तो उसका बेहद में क्या अर्थ है?

बाबा- 18 के बाद बर्फ में दबेगी?

जिज्ञासु- मतलब कंचनकाया बर्फ में दबने के बाद होगी?

बाबा- हाँ, वो तो ठीक है।

जिज्ञासु- तो उसका बेहद में क्या अर्थ है?

बाबा- बेहद में अर्थ क्या है? यहाँ जिन्होंने अपने संकल्पों रूपी खून को जाम कर लिया है पुरूषार्थी जीवन में उनको अपना खून जाम करने की दरकार नहीं है बर्फ के अंदर और जिन्होंने जाम नहीं कर पाया, अटैचमेन्ट कहीं न कहीं रह गया, नष्टोमोहा स्मृतिलब्धा नहीं बने तो उनको कुछ न कुछ सजा तो मिलनी चाहिए कि नहीं?

जिज्ञासु- बर्फ में दबने का पीरियड़ अगर जिसने संकल्प...

बाबा- अब 18 से लेकर 36 तक का सारा ही पीरियड़ हो गया ना।

जिज्ञासु- हाँ, बाबा 18 से लेकर 36 तक ठीक है, जिसने संकल्पों को जाम कर लिया उसके लिए तो ठीक है वो बर्फ में नहीं दबेगा

बाबा- हाँ

Time: 52.42-54.30
Student: Baba, this was said in a murli, souls will be buried in ice after [20]18; so what does it mean in the unlimited sense?
Baba: They will be buried in ice after [20]18?
Student: I mean the body will become *kanchankaaya*[11] after being buried under ice?
Baba: Yes, that is correct.
Student: So, what does it mean in the unlimited sense?
Baba: What does it mean in the unlimited sense? Those who have frozen their blood in the form of thoughts in their life of making spiritual effort do not require to freeze their [physical] blood under ice and those who could not freeze [their thoughts], if they have *attachment* somewhere, if they could not become *nashtomoha smritilabdha*[12], then should they get some punishment or not ?
Student: If someone has not frozen his thoughts, then the period of their freezing under ice ...
Baba: Well, it is the entire *period* from [20]18 to [20]36, isn't it?

[11] Disease free body
[12] Conqueror of attachments and regained remembrance

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Yes, Baba, it is correct [to say] from 18 to 36; for those who have frozen their blood in the form of thoughts, it (this period) is correct; they will not freeze under ice
Baba: Yes.

जिज्ञासु- और जिसने जाम नहीं किया उसका पीरियड़ 18 से ही शुरू हो जायेगा बर्फ में दबने का?

बाबा- बिल्कुल शुरू होगा। किसी का पहले, किसी का बाद में।

जिज्ञासु- स्थूल में? स्थूल बर्फ में?

बाबा- हाँ, जो 8 है वो अपने संकल्पों को कन्ट्रोल कर लेंगे। तो वो एक साथ होगा या नंबरवार होगा?

जिज्ञासु- नंबरवार।

बाबा- नंबरवार होगा। ऐसे ही वो भी। जो उन 8-9 □र्मों में आने वाली आत्मायें हैं दूसरे-2 □र्म की या दूसरे-2 □र्मो का जिनके ऊपर छिलका चढ़ा हुआ है वो सारी आत्मायें, 8 कम साढ़े चार लाख, वो भी नंबरवार हैं, उनका टाइम अपना-2 नुं□ा हुआ है।

जिज्ञासु- 18 के बाद ही।

बाबा- 18 के बाद उनका अपना-2 नंबर है, अपना-2 टाईम है।

Student: And in case of those who could not freeze [their thoughts], will the period of being buried under ice for them begin from 18 itself?
Baba: It will definitely start. In case of some, it will begin early and in case of some it will start late.
Student: In physical form? Under physical ice?
Baba: Yes, eight will *control* their thoughts. So, will it simultaneously happen or will it be *number wise*[13]?
Student: *Number wise*.
Baba: It will be *number wise*. It will happen in the same way in their case as well. The souls that come in those 8-9 religions, who belong to other religions or the ones that are covered by peel of other religions, all those souls, eight less from 450,000 are also *number wise* and their *time* [of being buried under ice] is fixed.
Student: [Will it happen] only after 18?
Baba: They have their own numbers and their own *time* after 18.

समय: 54.35-55.58

जिज्ञासु- मिनीम□ुबन संगठन के लिए जाने पर, दोंनो युगल जा सकते हैं, गीता पाठशाला छोड़कर के मिनीम□ुबन संगठन के लिए? मिनी म□ुबन टी.पी.गु□म है ना हम दोंनो युगल एक साथ जा सकते हैं या एक-2 जा सकते हैं?

बाबा- किसने मना किया?

[13] According to their spiritual effort

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- ना-ना।

बाबा- ये प्रश्न क्यों पैदा हुआ?

जिज्ञासु- गीतापाठशाला चलाने के लिए एक रहना चाहिए ना।

बाबा- किसी को निमित्त बनाके बिठा दो। कोई भी माता को निमित्त बना के बिठा दो घर में। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) मान लो माता चली गई, माता मिनीम□बन चली गई जो यज्ञ की निमित्त माता है और पुरूष सब दुर्यो□न-दु:शासन है वो गीता पाठशाला में बैठे रहे, घर उन्हीं का है और मातायें-कन्यायें आ रही हैं और उन्होंने कहीं दुर्यो□न-दु:शासनपना दिखाना शुरू कर दिया तब? तब क्या करेंगे? जिम्मेवार कौन होगा? कौन जिम्मेवार होगा? बोलो, नहीं? कुछ नहीं बोलेंगे? समझ में आ गया? अच्छा, ठीक है।

Time: 54.35-55.58

Student: Can both husband and wife leave the *Gitapathshala* together and go to attend the *sangathan* at the *Minimadhuban*? There is *minimadhuban* at T.P. Gudem, isn't there? Can both of us go there together or can we go there one by one?

Baba: Who has forbidden you?

Student: No, no.

Baba: Why did this question arise?

Student: One person should be there to manage the *Gitapathshala*, shouldn't there?

Baba: Make someone sit as an instrument. Make any mother [following knowledge] sit as an instrument at your home. (Student said something.) Suppose the mother who is instrument in the *yagya* (*gitapathshala*) went to the *Minimadhuban* - and all men are Duryodhans and Dushasans (villainous characters in the epic Mahabharat) - if he (husband) stays back at the *Gitapathshala*; the house belongs to him and if mothers and virgins are coming, and what if he starts showing the nature of Duryodhan and Dushasan ? What will you do then? Who will be responsible? Who will be responsible? Speak up. No? Will you not say anything? Did you understand? *Accha*, alright.

समय: 56.00-57.16

जिज्ञासु- वार्तालाप नं.79 में (बोला है,) जिस तन में 1936 में शिव प्रवेश करता है, उसी आत्मा में सन□76 में प्रवेश करता है। बाप के रूप में और टीचर के रूप में।

बाबा- हाँ।

जिज्ञासु- तो उसमें 76 में क्यों प्रवेश करते हैं? उससे पहले ही तो प्रवेशता हो जाता है? शिव प्रवेश....

बाबा- पहले प्रवेश हो जाता है वो सिर्फ होता है भक्तिमार्ग का फाउन्ड्रेशन का निमित्त बनाने के लिए। यज्ञ के आदि में ज्ञान सम्पूर्ण था या अपूर्ण था?

जिज्ञासु- अपूर्ण था।

बाबा- ज्ञानी और भक्त। ज्ञान और भक्ति इन दोंनो में स्त्री कौन है और पुरूष कौन है? भक्ति स्त्री है और ज्ञान पुरूष है। तो यज्ञ के आदि में सम्पूर्ण ज्ञान था या अ□ूरा ज्ञान था?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- अ□ूरा ज्ञान।

बाबा- तो अ□ूरे ज्ञान को भक्ति कहेंगे या पुरूष कहेंगे?

जिज्ञासु- भक्ति कहेंगे।

बाबा- बोला मुरली में-ऐसे-2 बच्चे थे छोड़के चले गए....

Time: 56.00-57.16
Student: In the Discussion No.79, [it was said:] In the year 76, Shiva enters the body of the same soul in whom He entered in 1936 in the form of the Father and the Teacher.
Baba: Yes.
Student: So, why does He enter in 76 when He had already entered in him? Shiva's entrance...
Baba: Previously, He enters only to make him an instrument to lay the *foundation* of the path of *bhakti*. Was the knowledge complete in the beginning of the *yagya* or was it incomplete?
Student: It was incomplete.
Baba: A knowledgeable person and a devotee; knowledge and *bhakti*; in between them which one is female and which one is male? *Bhakti* is female and knowledge is male. So, was the knowledge complete in the beginning of the Yagya or was it incomplete?
Student: It was incomplete.
Baba: So, will the incomplete knowledge be called *bhakti* or a male?
Student: It will be called *bhakti*.
Baba: It has been said in the Murli, there were such children who departed... (Concluded.)

……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info